हेतु दि. 6.6.23 को पेश हो

6.6.23 आज पत्रावली पेश हुई। वकील सायल उपस्थित। वकील गैर सायल उपस्थित। बहस अन्तिम सुनी गई। पत्रावली का अवलोकन किया गया। सायल के अनुसार विवादित रास्ता कदीमी गैरसायल के खेत में होकर है तथा कदीमी रास्ता को कीमतन दिया जाकर राजस्व रिकार्ड में दर्ज किया जावे। गैरसायल का कथन है कि विवादित रास्ता कभी भी कदीमी रास्ता नहीं रहा है। सन 2014 में नेशनल हाईवे निकला उससे पूर्व सायल के खेत में होकर गैरसायल भी निकलता था, लेकिन नेशनल हाईवे बन जाने के कारण गैरसायल का नम्बर रोड पर आ गया है तथा गैरसायल ने सन 2014 में ही पक्की बाउण्ड्री करवा दी थी क्योंकि सायल ने गैरसायल का रास्ता बन्द कर दिया था।

गैरसायल का यह भी कथन है कि सायल हमेशा जिस रास्ता से जाता आता है खेती करता है वह मौके पर आज भी मौजूद है तथा सायल की फसल खड़ी है मकान बना है आता जाता है वह नया रास्ता कायम करना चाहता है जिसका उसे अधिकार नहीं है अतः सायल का प्रार्थना पत्र खारिज किया जावे।

हमने बहस सुनी तथा पत्रावली का अवलोकन किया। पत्रावली पर हल्का पटवार बाडी की रिपोर्ट

Signature Not Verified
Digitally signed by Radheyshyam Meena
Date: 2024.06.26 13:43:56 IST
Reason: SelfAttested

Scanned with OKEN Scanner

तारीख व हुक्म | हुक्म या कार्यवाही मय इनीशियल्स जज | नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए

रमेश बनाम अहिल्यादेवी

मौजूद है उसमें यह बताया है कि सायल का परम्परागत रास्ता पहले से मौजूद है जिससे वह खेतों की कास्त का आता जाता है लेकिन वह नया रास्ता विवादित चाहता है। धारा 251 के तहत किसी पक्ष का अगर उसके पास पहले से रास्ता है तो नया रास्ता दिये जाने का प्रावधान नहीं है। दूसरी तरफ सन 2014 में जब नेशनल हाईवे बना उस समय विवादित रास्ता मौजूद था ही नहीं। जब सायल के खेतों का परम्परागत रास्ता मौजूद है तो उसे गैरसायल के खेतों में आने जाने के लिये रास्ता नया कायम नहीं किया जा सकता है।

उपरोक्त अनुसार प्रार्थना पत्र सायल काबिल खारिज होने के कारण खारिज किया जाता है। अगर सायल चाहे तो परम्परागत रास्ता जो उसका मौके पर खेतों पर आने जाने जुताई बुवाई के लिये मौजूद है उसके लिये पृथक से चाहे तो नया प्रार्थना पत्र पेश कर सकता है।

पत्रावली बाद तकमील फैसला शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो।

उपखण्ड अधिकारी
बाड़ी (धौलपुर) राज.

Signature Not Verified

Digitally signed by Radheyshyam Meena
Date: 2024.06.26 13:43:56 IST
Reason: SelfAttested

Scanned with OKEN Scanner